

बोटाक्स से मिले यंग लुक

त्वचा को यंग और शाइनी बनाए रखने के लिए आजकल बोटाक्स ट्रीटमेंट ट्रेंड में है। यह ट्रीटमेंट महिलाओं और यंग गर्ल्स दोनों को बहुत पसंद आ रहा है। स्किन ऐक्सपर्ट्स का कहना है कि इसे करवाने के बाद रिजल्ट बहुत जल्दी दिखने लगता है और त्वचा शाइनी दिखाई देने लगती है।

बोटाक्स क्या है

बोटाक्स प्रोटीन बेस्ड बहुत कम यूनिट के इंजेक्शन होते हैं, जो हमारे चेहरे की मृत कोशिकाओं को रिमूव कर के त्वचा को टाइट व सुंदर बना देते हैं। इस में छोटेछोटे इंजेक्शन गरदन, चेहरे व जहांजहां झुर्रियां हों, वहां लगाए जाते हैं। इस प्रोसेस में 20 मिनट का समय लगता है और इस का असर 4 से 6 महीनों तक बरकरार रहता है। इस में ₹4,000 से ले कर ₹20,000 तक का खर्च आता है।

जब जा हो चौड़ा

अगर आप का जा चौड़ा है, तो आप उसे बोटाक्स ट्रीटमेंट से काफी हद तक कम करवा सकती हैं। बोटाक्स से जा मसल्स

लूज हो जाती हैं, जिस से जा स्लिम लगने लगता है।

गरदन की झुर्रियां

गरदन को अट्रैक्टिव बनाने के लिए बोटाक्स ट्रीटमेंट काफी फायदेमंद है। इस में झुर्रियों वाली जगह पर इंजेक्शन लगाए जाते हैं। 3-4 सिटिंग्स में ही गरदन की स्किन टाइट हो जाती है।

गुड लुकिंग के लिए

कौस्मैटिक सर्जन रागिनी कहती हैं कि यह तकनीक उन महिलाओं को खूब भा रही है, जो शाइन और ऐजिंग से परेशान हैं। कालेज गोइंग गर्ल्स भी हमेशा यंग दिखने की चाहत में बोटाक्स ट्रीटमेंट ले रही हैं। इस में फेस को अच्छी तरह साफ करने के बाद फेस पैक लगा कर बर्फ से मालिश की जाती है। बाद में झुर्रियों वाली जगह पर इंजेक्शन लगाए जाते हैं।

ट्रीटमेंट से पहले

- अगर आप की त्वचा ऐलर्जिक है, तो डाक्टर से सलाह लें।

- 5-6 घंटे पहले तक ग्रीन टी न लें।
- प्रैग्नेंट वूमन इस ट्रीटमेंट को अवाइड करे।
- ब्रैस्ट फीडिंग कराने वाली महिलाओं को भी इस से बचना चाहिए।
- 50-55 साल की महिलाएं 2 दिन पहले स्मोकिंग न करें और अल्कोहल न लें।

ट्रीटमेंट के बाद

- बोटाक्स ट्रीटमेंट लेने के बाद कुछ दिन झुक कर सामान उठाने व सफाई करने का काम न करें।
- ट्रीटमेंट के बाद डाक्टर की सलाह से ही ब्यूटी प्रोडक्ट्स इस्तेमाल करें।
- डाक्टर की सलाह से ही फेस के लिए दूसरे ब्यूटी ट्रीटमेंट्स लें।
- सब की त्वचा एक जैसी नहीं होती, इसलिए रिस्पोंस भी अलगअलग मिलते हैं। वैसे इस से नैगेटिव रिस्पोंस नहीं मिलता।
- इस से नजला, जुकाम, सिरदर्द और आंखों के आसपास की त्वचा के लाल होने जैसे साइड इफेक्ट हो सकते हैं।

—सरिता गुप्ता •

उन का कहना है कि होंठों पर पैचेज होने या उन के काले होने के कई कारण होते हैं—

- धूम्रपान से होंठों का रंग काला पड़ सकता है या उन पर पैचेज आ सकते हैं।
- कई बार होंठों पर नमी की कमी की वजह से डार्क स्पॉट हो जाते हैं, इसलिए होंठों को नमी प्रदान करने के लिए हमेशा मौइश्चराइजर का प्रयोग करना चाहिए।
- धूप में अधिक समय तक चलनेफिरने से भी होंठों का रंग काला पड़ सकता है। इसलिए हमेशा बाहर निकलते समय एसपीएफ 35 वाले सनस्क्रीन लोशन का प्रयोग करना आवश्यक होता है।
- कई बार हार्मोनल असंतुलन के कारण भी होंठों का रंग काला हो जाता है।
- होंठों के अचानक काला होने का कारण स्किन कैंसर भी हो सकता है। इसलिए इस की जांच डाक्टर से अवश्य करा लेनी चाहिए।

डाक्टर थामस बताते हैं कि आजकल इस के लिए एक ऐसा महत्वपूर्ण इलाज है, जिसे काफी महिलाएं करवाती हैं। वह है 'मैडिकल टैटूइंग।' इस के द्वारा स्थायी रूप से लिप का

मेकअप संभव हो जाता है। एक बार कराने पर बीच में 1 या 2 बार सिर्फ 'टचअप' की आवश्यकता पड़ती है। कोई भी इलाज दोबारा आप के होंठों को काला कर सकता है पर मैडिकल टैटूइंग से आप मनचाहे होंठ हमेशा के लिए पा सकती हैं।

टैटूइंग में आप के स्किन टाइप के अनुसार होंठों को रंग दिया जाता है। पहले होंठों का आकार बना कर उन पर क्रीम लगा कर सूई की सहायता से रंग भर दिया जाता है। रंग कई प्रकार के होते हैं:

- ब्लैंडेड लिपलाइनर तकनीक से आप होंठों को मनचाहा आकार दे सकती हैं। फिर उन में मनचाहा रंग या लिपस्टिक भर सकती हैं।
- पूरे होंठ को कलर करने के लिए लिपलाइनर के बाद होंठों के पैच वाले या काले हुए भाग में त्वचा के अनुसार रंग भर दिया जाता है। जब पूरी तरह से रंग भर दिया जाता है, तो इस के ऊपर आप सिर्फ लिपग्लौस लगा कर होंठों में चमक ला सकती हैं या फिर परिधान से मैचिंग लिपस्टिक भी लगा सकती हैं।

टैटूइंग आंखों की पुतलियों के रंग और बालों के आधार पर किया जाता है, जिसे एक अनुभवी सर्जन ही कर पाती है। इसे करने में डेढ़ से 2 घंटे का समय लगता है। कई बार सूजन आने पर दवा से इसे ठीक कर दिया जाता है। अगर महिला को किसी प्रकार की बीमारी हो मसलन, ब्लडप्रेसर या मधुमेह तो डाक्टर की उचित निगरानी में मैडिकल टैटूइंग किया जा सकता है। टैटूइंग के 4 दिन बाद महिला अपनी दिनचर्या पर लौट सकती है। इसे करवाने का खर्चा ₹15,000 से ₹ 20,000 तक आता है।

टैटूइंग के 5 से 10 साल बाद थोड़े 'टचअप' की आवश्यकता होती है ताकि आप के होंठ हमेशा खूबसूरत दिखें।

लिप मेकअप के अलावा मैडिकल टैटूइंग आईब्रोज, चेहरे पर दागधब्बे आदि के लिए भी एक अच्छा इलाज है। इस के द्वारा आप अपने आत्मविश्वास को फिर से पा सकती हैं। लेकिन इतना ध्यान अवश्य रखें कि हमेशा एक अच्छे और अनुभवी कौस्मैटिक सर्जन के पास ही जाएं ताकि बाद में आप को पछताना न पड़े।

—सोमा घोष •